वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 257 | गुरुवार 12 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

खाचरियावास बोले-चुनाव में राहुल गांधी सबसे बड़ा चेहरा

सीएम सलाहकार ने कहा- गहलोत का चेहरा आगे रखकर चुनाव लड़े कांग्रेस

जयपुर. कासं

चुनावी साल में चेहरे को लेकर कांग्रेस में नेताओं के बीच बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। सीएम चेहरे को लेकर कांग्रेस में नेताओं के मतभेद सामने आने शुरू हो गए हैं। खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सीएम चेहरे के तौर पर अशोक गहलोत का नाम नहीं लिया है। खाचरियावास ने सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ने का तर्क दिया है। उधर, सीएम सलाहकार और निर्दलीय विधायक सयंम लोढ़ा ने अशोक गहलोत के चेहरे पर चुनाव लड़ने का सुझाव दिया है। खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सीएम चेहरे के सवाल पर कहा- चेहरा एक ही है राहुल गांधी। राहुल गांधी की यात्रा में यह साबित हो गया। चेहरा अकेला राहुल गांधी ही है। राजस्थान हो या अन्य राज्य हमारे यहां चेहरा घोषित करके चुनाव होते ही नहीं हैं। कांग्रेस में अब तक राजस्थान में बिना चेहरा घोषित किए ही चुनाव होते रहे हैं। कांग्रेस में सामूहिक नेतृत्व में ही

चुनाव होते रहे हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी राहुल गांधी के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ने की बात कही थी। अशोक गहलोत के चेहरे पर चुनाव लड़ने के बयानों पर मंत्री खाचरियावास ने कहा- मुझे बता दीजिए कांग्रेस ने राजस्थान में कब चेहरा घोषित करके चुनाव लड़ा? 2018 का पिछला विधानसभा चुनाव सामूहिक नेतृत्व में हुआ। किसी एक नेता का चेहरा घोषित नहीं किया था। चेहरा घोषित करना और नहीं करना हाईकमान के हाथ में रहता है। सबसे बड़ा चेहरा राहुल गांधी का ही रहेगा।

सीएम सलाहकार लोढ़ा बोले- गहलोत के चेहरे पर चुनाव लड़े कांग्रेस

सीएम सलाहकार संयम लोढ़ा ने अगला विधानसभा चुनाव अशोक गहलोत के नेतृत्व में लड़ने की सलाह दे चुके हैं। पिछले सप्ताह संयम लोढ़ा ने गहलोत के चेहरे पर चुनाव लड़ने का बयान दिया था, लोढ़ा ने पुराने बयान को फिर दोहराया है। संयम लोढ़ा ने कहा- मैंने सलाह दी है कि अशोक गहलोत के चेहरे पर चुनाव लड़ें, क्योंकि पिछले चार साल में खूब काम हुआ है, उन्हीं के कामों को गिनाया जाएगा। संयम लोढ़ा ने कहा- राजस्थान के विधायकों ने अशोक गहलोत को नेता माना है। हमारा यह मानना है कि चार साल में गहलोत के नेतृत्व में गांव, गरीब से लेकर हर क्षेत्र में काम हुआ है। विकास किया है। हम जो उम्मीद नहीं करते थे, उतना विकास किया है।

खाचरियावास के बयान के सियासी मायने

खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास का बयान दिखने में कांग्रेस की लाइन पर लग रहा है, लेकिन इसके सियासी मायने हैं। कांग्रेस में अशोक गहलोत और सचिन पायलट खेमों के बीच चल रही खींचतान के बीच इस बयान को अहम माना जा रहा है। खाचरियावास पहले सचिन पायलट खेमे में थे, लेकिन जुलाई 2020 में वे गहलोत खेमे में आ गए थे। खाचरियावास इसके बाद से मुखर होकर गहलोत का पक्ष लेते रहे हैं। 25 सितंबर को विधायक दल की बैठक के बहिष्कार में भी खाचरियावास शामिल थे। उस वक्त भी उन्होंने गहलोत का पक्ष लिया था। अब सीएम चेहरे पर खाचरियावास ने गहलोत का नाम नहीं लेकर सामूहिक लीडरशिप में चुनाव लड़ने का बयान देकर खुद के न्यूट्रल रहने का संकेत दिया है।

नमक के समंदर में होगा सांभर काइट फेस्टिवल

सात फीट की पतंगों के साथ लेक साइड उड़ेगीं पतंगे, काइट बनाना भी सीख सकेंगे

जयपुर. कासं

नमक के समंदर सांभर में इस बार काइट फेस्टिवल आयोजित किया जाएगा। देश की सबसे बड़ी नमक की झील के रूप में प्रसिद्ध सांभर में हो रहे इस महोत्सव में सैलानियों को राजस्थानी संस्कृति के साथ साथ कई तरह का रंग-बिरंगा माहौल देखने को मिलेगा। जयपुर विरासत फाउंडेशन के सहयोग से 14 जनवरी को सांभर काइट फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। आयोजक अपेक्षा शर्मा और हिमांशु ने बताया कि हवामहल पर सभी सुबह 9.45 बजे एकत्रित होंगे और यहां से दो घंटे के सफर में शाकंभरी लेक पहुंचेंगे। यहां गांव वाले ट्रेडिशनल अंदाज में सभी का स्वागत करेंगे। वेलकम ड्रिंक्स में छाछ, राबड़ी पिलाई जाएगी।

यहां ट्रेडिशनल फूड सर्व किया जाएगा। यहीं से लोग मंदिर जा सकेंगे और इसके अलावा लेक साइड में पतंगबाजी कर सकेंगे। ट्रेडिशनल फूड में बाजरे की खीचडी, तिल के लड्डू, दाल की पकोड़ी सहित कई फूड वैरायटी होगी। अपेक्षा ने बताया कि इस इवेंट को प्लास्टिक फ्री रखा गया है, इसलिए पतंगों को सादा डोर से उड़ाया जाएगा। मांझे का प्रयोग यहां नहीं किया जाएगा। पतंगो की साइज सात फीट तक रहेगी। इन्हें उड़ाने वाले यहां लोगों के बीच मौजूद रहेंगे।

आरएसएलडीसी डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर ट्रेनिंग सेंटर्स का गहन और नियमित निरीक्षण करें

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (आरएसएलडीसी) की प्रबंध निदेशक सुश्री रेणु जयपाल ने डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर को प्रशिक्षण केंद्रों का गहन और नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। जयपाल बुधवार को झालाना सांस्थानिक क्षेत्र स्थित आरएसएलडीसी कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा कर रही थीं। प्रबंध निदेशक जयपाल ने कहा कि डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर लक्ष्यों के मुताबिक केंद्रों और छात्रावासों का नियमित निरीक्षण करें, ताकि युवाओं को बेहतर गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण मिल सके। इस दौरान केंद्रों पर जरूरी उपकरणों, लेब, स्वच्छता, ट्रेनर्स एवं अन्य सुविधाओं को जांचें और रिपोर्ट मुख्यालय को भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि प्री-ट्रेनिंग निरीक्षण में मापदंड अनुसार व्यवस्थाएं नहीं मिलने पर कोई शिथिलता देने और दुबारा निरीक्षण करने की आवश्यकता नहीं है।

लिनेस क्लब ऐंजल का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

लिनेस क्लब ऐंजल का शपथ ग्रहण कार्यक्रम जयपुर के प्रसिद्ध होटल में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जयपुर की पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल थी। शपथ ग्रहण अधिकारी प्रांतीय प्रशासनिक अधिकारी व पूर्व मल्टीपल अध्यक्ष लिनेस अंजना जैन ने डिम्पल जैन को अध्यक्ष, नूपुर व मैना जैन को उपाध्यक्ष, लिनेस कल्पना बैद को सचिव, मोना पाडलिया को सह सचिव व प्रियंका जैन को कोषाध्यक्ष पद व अन्य कार्यकारिणी सदस्यों शिल्पा, भावना,प्रीति गोधा,कृतिका जैन को पद की शपथ दिलवाई। पूर्व अध्यक्ष अनामिका पापड़ीवाल ने सभी का स्वागत किया। क्लब मेंटॉर व प्रांतीय स्पेशल सचिव लिनेस स्वग्रही माओ ने क्लब की रूपरेखा प्रस्तुत की। एरिया ऑफिसर लिनेस कुमुद गौड़ की विजिट भी करवाई गई। सेवा कार्यों के तहत जरूरमंदो को राशन , कंबल व अन्य सामग्री दी गई। अंत मे प्रियंका जैन ने सभी का धन्यवाद किया।

विश्व डाइबिटीज दिवस पर परिचर्चा

जयपुर. शाबाश इंडिया

आज विश्व डाइबिटीज दिवस पर नारायणा हास्पीटल के सहयोग से एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परिचर्चा पर बैठक आयोजित हुई। इसमें डाः उषा अग्रवाल सिनियर कन्सलटेंट स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, डाः मैत्री पटेल गायनेकोलॉजिस्ट एवं डाः आस्था जैन डाइटिशियन ने अपने महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परिचर्चा में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत प्रकाश डाला तथा पूर्ण भोजन केसे और क्या क्या करना चाहिए को अच्छी तरह समझाया। उठते ही हल्का गुनगुना पानी का सेवन कर शोचादी कर सुबह के नाश्ते से लेकर लंच व डिनर पर चर्चा की और उसकी महत्वत्ता बताई इसके साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि सोने से 2घटें पूर्व श्याम का भोजन करना चाहिए आपने तेल सब्जी के बारे में तथा अनाज गेहूं जो चना को आटे में मिला कर खाना चाहिए। उन्होंने ने दूध दही छाछ के बारे में भी प्रकाश डाला तथा सलाद का समूचित सबसे ज्यादा उपयोग करने को कहा। थोड़ा थोड़ा प्रत्येक 2घंटे में खाते रहने की उपयोगिता बताई। सभी उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों का स्पष्ट करते हुए उदाहरण सहित समझाया। डाः ऊषा अग्रवाल ने तथा डॉ : मैत्री पटेल ने पुरुष वर्ग से अलग कर सभी महिलाओं के रोगो के बारे में चर्चा कर उनकी समस्याओं का समाधान किया प्रारम्भ में वीर इन्जी पी सी छाबड़ा मंत्री ने परिचर्चा पूर्व सभी का स्वागत किया तथा महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन जयपुर के प्रार्थना कर परिचर्चा प्रारम्भ की नारायणा हास्पीटल के पियूष जी ने सभी डाक्टरों का परिचय करवाया। समारोह में काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं साथ ही महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन जयपुर के वीर सुभाष गोलेछा अध्यक्ष, वीर एन के सेठी उपाध्यक्ष, वीर एच एम सिधंवी, वीर चन्दर सेन छाबड़ा, वीर अनिल वैध कोष्याध्यक्ष तथा वीर इन्जी पी सी छाबड़ा मंत्री उपस्थित रहे।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 473 रक्तदान दाताओं ने स्वेच्छा से किया अपने रक्त का दान

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ अजमेर मंडल एवम लायंस क्लब अजमेर आस्था के संयुक्त तत्वावधान में सीनियर रेलवे इंस्टीट्यूट अजमेर में स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर लगाया गया। मजदूर संघ के अध्यक्ष जुबेर अहमद एवं मंडल सचिव एस आई जैकब ने जानकारी दी कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 11 जनवरी 2023 को उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ अजमेर मंडल के तत्वावधान में लायंस क्लब आस्था अजमेर के सहयोग से सीनियर रेलवे इंस्टीट्यूट अजमेर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक किया गया। शिविर में 520 कर्मचारियों ने रक्तदान के लिए नाम पंजीकरण कराया जिसमें से 473 लोगों ने रक्तदान किया इसमें 30 महिलाएं भी शामिल है व 47 लोगों को स्वास्थ्य के आधार पर अयोग्य घोषित किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक राजीव धनखड़ एवं विशिष्ट अतिथि विनोद मेहता अध्यक्ष यूपीआरएमएस रहे। इस अवसर पर अरुणांशु सरकार मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, रघुवीर सिंह चारण उप मुख्य कार्मिक अधिकारी, हेमंत सुलानिया वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, रामअवतार यादव उप मुख्य यांत्रिक अभियंता

लायंस क्लब अजमेर आस्था के अध्यक्ष लायन घेवर चंद नाहर,सचिव लायन विनिता अग्रवाल कोषाध्यक्ष लायन शशि जैन कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी,लायन पदम चंद जैन आदि ने सभी व्यक्तियों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। अध्यक्ष लायन घेवर चंद नाहर ने बताया कि लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा सभी रक्तदान दाताओ को उपहार देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी एवम लायन पदम चंद जैन ने बताया कि जवाहरलाल नेहरू अस्पताल, मित्तल अस्पताल, क्षेत्रपाल अस्पताल, विद्यापति ब्लड बैंक की टीम द्वारा रक्त एकत्रित किया गया।

समय पर जांच कराने से नेत्र रोग से बचा जा सकता है : डॉक्टर कोठारी

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया न्यूज

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था एवम कोठारी आई हॉस्पिटल माकड़वाली रोड के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क नेत्र रोग जांच एवम परामर्श शिविर का आयोजन किया गया जिसमें अजमेर के सुप्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ लायन डॉक्टर महेंद्र कोठारी ने अपनी सेवाए देते हुए कहा कि मानव को निरोगी रहने के लिए नियमित अपने स्वास्थ पर ध्यान रखना चाहिए इसके लिए समय समय पर जांच आदि करवानी चाहिए। जिससे समय पर उपचार संभव हो सके इसी प्रकार नेत्रों की भी नियमित देखभाल आवश्यक है। अध्यक्ष लायन घेवर चंद नाहर ने बताया कि डॉक्टर महेंद्र कोठारी ने क्रमबद्ध तरीके से आने वाले व्यक्तियो की आधुनिक मशीनों से आखों की जांच कर परामर्श दिया। कोषाध्यक्ष लायन शशि जैन एवम शिविर संयोजक लायन संजय जैन कावड़िया ने बताया कि क्लब द्वारा लगाए गए निशुल्क शिविर से अड़सठ व्यक्ति लाभान्वित हुए ।

दूसरे दिन आयोजित हुए फेडरेशन कप के 16 मुकाबले

चन्द्रेश जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीरजी। कस्बे में चल रही 34 वी फेडरेशन कप हैंडबॉल प्रतियोगिता में दर्जनों मुकाबले आयोजित हुए। जिनमें देश के कोने-कोने से आए खिलाड़ियों ने जमकर पसीना बहाया। महिला व पुरुष वर्ग में दर्जनों अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी टीमों को जिताने के लिए पूरा दमखम लगाया। भारतीय हैंडबाल टीम के कोच प्रियदीप सिंह ने बताया कि बुधवार को लीग मैच मुकाबलों में पहला मैच पंजाब बनाम बिहार के मध्य खेला गया जिसमें पंजाब की टीम विजयी रही। दूसरा मैच रेलवे बनाम एमपी के मध्य खेला गया जिसमें रेलवे की टीम विजयी रही। तीसरा में चंडीगढ़ बनाम बिहार के मध्य खेला गया जिसमें चंडीगढ़ की टीम ने जीत हासिल की। चौथा मैच राजस्थान बनाम यूपी के मध्य खेला गया जिसमें राजस्थान की टीम ने जीत हासिल की। पांचवा मैच सर्विसेज बनाम हरियाणा के मध्य खेला गया जिसमें सर्विसेज विजयी रही। छठवां मैच यूपी बनाम एमपी के मध्य खेला गया जिसमें यूपी की टीम विजय रही सातवां मैच सर्विसेज बनाम पंजाब के मध्य खेला गया जिसमें सर्विसेज की टीम विजय रही आठवां में चंडीगढ़ बनाम हरियाणा के मध्य खेला गया जिसमें चंडीगढ़ की टीम विजयी रही अगला मैच सर्विसेज बनाम बिहार के मध्य खेला गया जिसमें सर्विसेज की टीम विजय रही ओर अंतिम मुकाबला रेलवे बनाम राजस्थान के मध्य खेला गया जिसमें राजस्थान को मुंह की खानी पड़ी ।महिला वर्ग के मैचों में भी जमकर रोमांच रहा दर्शकों की संख्या तालियों से खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करती रही महिला वर्ग में दूसरे दिन के मुकाबलों की शुरूआत हरियाणा बनाम वेस्ट बंगाल के मैच के साथ हुई जिसमें हरियाणा ने जीत हासिल की। दूसरा मुकाबला पंजाब बनाम दिल्ली के मध्य खेला गया जिसमें पंजाब की टीम ने जीत हासिल की तीसरा मैच रेलवे बनाम उत्तर प्रदेश के मध्य खेला गया जिसमें रेलवे की टीम ने जीत हासिल की चौथा मैच यूपी बनाम दिल्ली के मध्य खेला गया जिसमें उत्तर प्रदेश की टीम विजयी रही ।दोपहर बाद के सेशन में महिला वर्ग के मुकाबलेवकी शुरूआत वेस्ट बंगाल बनाम तेलंगाना के मैच के साथ हुई जिसमें पश्चिमी बंगाल की टीम विजयी रही छठवां मैच उत्तर प्रदेश बनाम दिल्ली के मध्य खेला गया जिसमें उत्तर प्रदेश की टीम विजयी रही ।सातवां मैच रेलवे बनाम पंजाब के मध्य खेला गया रेलवे की टीम ने जीत हासिल की। मंगलवार से शुरू हुए फेडरेशन कप मैं अभी तक दू लीग मैच मुकाबले आयोजित हुए हैं गुरुवार को भी पहले सत्र में महिला और पुरुष प्रत्येक वर्ग में दो-दो लीग मैच मुकाबले आयोजित होंगे दूसरे सत्र में महिला व पुरुष वर्ग के प्रत्येक फूलों में सर्वश्रेष्ठ रही टीमों के सुपर 4 मुकाबलों में खिलाड़ी अपना दमखम दिखाएंगे प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबले शुक्रवार को खेले जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के रजिस्ट्रेशन 15 जनवरी तक

डॉ भूपेंद्र शर्मा ने की प्रो.अनुपम श्रीवास्तव से शिष्टाचार भेंट

जयपुर. कासं। आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ भूपेंद्र शर्मा चांदवास ने जयपुर में राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ के पूर्व निदेशक व राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विवि जयपुर के रसशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो.अनुपम श्रीवास्तव से मिलकर एनआईए में होने वाली 23 से 25 फरवरी तक आयुर्वेदिक फार्मास्युटिकल सांइस पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी तथा आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के उत्थान पर चर्चा की। डॉ भूपेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रो.अनुपम श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ के निदेशक पद पर रहते हुए आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के विकास, प्रचार व प्रसार पर अच्छे कार्य किए। डॉ भूपेंद्र शर्मा ने बताया कि रसशास्त्र विभाग 23 से 25 फरवरी तक एनआईए कुलपति प्रो.संजीव शर्मा व प्रो वीसी प्रोफेसर मीता कोटेचा की अध्यक्षता और विभागाध्यक्ष प्रो.अनुपम श्रीवास्तव के निर्देशन में संस्थान परिसर में आयुर्वेदिक फार्मास्युटिकल सांइस पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करेगा । जिसमें देश-विदेश के मुख्य अतिथि वक्ता व अनेकों स्कालर्स भाग लेंगे। इस दौरान विभागाध्यक्ष प्रो.अनुपम श्रीवास्तव ने बताया कि यह अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी बहुत ही ज्ञानवर्धक साबित होगी। डॉ भूपेंद्र शर्मा ने कहा कि प्रो. अनुपम श्रीवास्तव से शिष्टाचार भेंट कर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को लेकर विस्तृत जानकारी ली। डॉ शर्मा ने देश भर के आयुर्वेदिय स्कांलर्स से आग्रह किया कि वो 15 जनवरी तक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के रजिस्ट्रेशन करवाकर संगोष्ठी में भाग अवश्य लें। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी रखने वाले लोगों को औषधियों का ज्ञान, पहचान, निर्माण विधि, संरक्षण विधि,नई औषधियों के आविष्कार, पेटेंट, स्टार्ट अप, इंडस्ट्रीज और एकेडमिक रिलेशनशिप इत्यादि अनेकों विषयों पर विस्तार से समझाया जायेगा इस दौरान डॉ शर्मा ने प्रो.अनुपम श्रीवास्तव को रसशास्त्र विभागाध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं भी प्रेषित की।

आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में

मदनगंज किशनगढ़ में होने वाले भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की पत्रिका का हुआ भव्य विमोचन

कार्यक्रम में आर.के .मार्बल्स के चेयरपर्सन अशोक पाटनी ने की शिरकत

फागी/पचेवर. शाबाश इंडिया। विश्व प्रसिद्ध मार्बल नगरी किशनगढ़ में आयोजित होने वाले भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए श्री महावीर जी से किशनगढ़ के लिए वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के विहार के दौरान ग्राम पचेवर में अल्प प्रवास के दौरान आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने धर्मोपदेश देते हुए कहा कि दुख से मुक्ति के लिए धर्म को धारण किया जाता है,मित्र वह है जो दुखो को दूर करे तथा मित्र को संकट में कभी नही डाले, धर्म व्यक्ति नही है, धर्म को धारण करने वाला धर्मात्मा होता है। मनुष्य को अहिंसा धर्म का पालन करना चाहिए,अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है, आचार्यश्री ने कहां कि अहिंसा धर्म का पालन करने से सम्पूर्ण विश्व में शांति आ सकती है लेकिन आज हम अपने परिवार के सदस्यों के साथ ही अहिंसा का पालन नहीं कर पा रहे है जो गलत है,व्यक्ति मोह,माया, तथा पंच इंद्रियों में फंसा हुआ है। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा एवं मुनिसुव्रत पंचायत के प्रचार मंत्री गौरव पाटनी ने अवगत कराया कि श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन पंचायत के तत्वावधान में वात्सल्य वारिधि आचार्य 108 वर्धमान सागर महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में एवं गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी ससंघ तथा गणिनी यशस्विनी माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में 22 से 27 जनवरी तक होने वाले समारोह हेतु श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन नूतन जिनालय एवं श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर नूतन मानस्तंभ का होने जा रहे श्रीमज्जिनेंद्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की पत्रिका का आज वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज स संघ के पावन सानिध्य में आज ग्राम पचेवर में भव्य विमोचन हुआ।

वेद ज्ञान

समझौता है शांति का आधार

समझौता एक सामान्य शब्द है, लेकिन बड़े-बड़े वैमनस्य, शत्रुता और परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने में इसका कोई जवाब नहीं है। आज की जीवन प्रणाली में तनाव और चिंता इतनी बढ़ गई है कि मनुष्य का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है। हमारी इच्छाओं और कामनाओं के अलावा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों ने दुनिया से तो नजदीकियां बढ़ा दी हैं, लेकिन परिवार से दूरियां बढ़ती जा रही हैं। सुख-समृद्धि की अंधी दौड़ और खंडित व्यक्तित्व के कारण व्यक्ति तनाव और चिंता में रहता है, जिससे क्रोध और अनर्गल भाषा का प्रयोग उसकी आदत बन जाती है। इसका परिणाम टूटते संबंधों एवं बिखरते परिवारों के रूप में दिखता है। इस विघटनकारी स्थिति से मुक्त होने के लिए जो जैसा है, उसे वैसा ही स्वीकार करके जीने से जीवन का भार कम हो जाता है। इसी संबंध में रूस के प्रसिद्ध दार्शनिक टॉलस्टाय का कहना है कि मनुष्य सबसे अधिक यातना अपने विचारों से ही भोगता है। किसी भी प्रतिकूलता का प्रतिकार या तिरस्कार करने से वह घटती नहीं, बल्कि कई गुना बढ़ जाती है। आज जरूरत इस बात की है कि व्यक्ति अपनी भौतिकतावादी दृष्टि के स्थान पर आध्यात्मिक दृष्टि का विकास करे। दूसरों के साथ व्यवहार करते समय आग्रह-बुद्धि का त्याग करें, दूसरों के विचारों को सुनें, समझें एवं शांति और धैर्य के साथ सही तथ्यों के आधार पर निर्णय लें। जीवन में घटने वाली घटनाओं, संबंधों और परिस्थितियों के साथ अहं का परित्याग कर समझौतावादी दृष्टिकोण अपनाएं। समझौते की प्रवृत्ति को लोग भीरुता का पर्याय समझते हैं, लेकिन यह शांतिपूर्ण ढंग से जीवन जीने की कला है। हमें दूसरों की समस्याओं, नजरियों व विचारों को समझने का प्रयास कर उचित सम्मान देना चाहिए। किसी मध्यबिंदु पर आकर समझौता करना चाहिए। इस वृत्ति को बढ़ावा देने से हम अपने पारिवारिक जीवन की समस्याओं को सुगमता से सुलझा सकते हैं। विवाह-विच्छेद, आत्महत्या, हत्या आदि सभी के पीछे आवेग और दूसरों की बातों को समझने की चेष्टा का अभाव होता है। अहं को त्यागकर समझौता करना महानता का परिचायक होता है।

संपादकीय

घटती विकास दर और बढ़ती महंगाई को लेकर चिंता

एक बार फिर रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने घटती विकास दर और बढ़ती महंगाई को लेकर चिंता जाहिर की है। हालांकि वे यह भरोसा दिलाना नहीं भूले कि महंगाई पर काबू पाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने इस साल आर्थिक विकास दर सात फीसद रहने का अनुमान जताया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब पौने दो फीसद कम है। उन्होंने माना कि अगर महंगाई ऊंचे स्तर पर बनी रहती है, तो फिर वृद्धि और निवेश में जोखिम बढ़ सकते हैं। हालांकि रिजर्व बैंक अपनी ब्याज दरों में बदलाव करके कई बार महंगाई पर काबू पाने का प्रयास कर चुका है, मगर उसके अपेक्षित परिणाम नजर नहीं आए। उल्टा आवास, वाहन, कारोबार आदि के लिए कर्ज लेने वालों पर ब्याज का बोझ और बढ़ गया है। बैंकों से कर्ज लेने के प्रति लोगों में अनुत्साह नजर आने लगा है। यह सच्चाई छिपी नहीं है कि आर्थिक विकास दर में सुस्ती और महंगाई की दर ऊंची बने रहने के पीछे असल वजहें क्या

हैं। शक्तिकांत दास ने भी स्वीकार किया कि विनिर्माण और खनन क्षेत्र में खराब प्रदर्शन की वजह से आर्थिक विकास दर को ऊंचा रख पाना कठिन बना हुआ है। इसके अलावा बढ़ता राजकोषीय और व्यापार घाटा, जीवाश्म ईंधन के आयात पर निर्भरता आदि के चलते महंगाई पर नियंत्रण कर पाना कठिन है। कृषि क्षेत्र में उपज बढ़ने से जीन्सों की कीमतों में कुछ नरमी जरूर आ सकती है, मगर भारी उद्योग के क्षेत्र में सुस्ती चिंता का सबब बनी हुई है। यह अच्छी बात है कि रिजर्व बैंक के गवर्नर ने आर्थिक स्थिति को बड़ी साफगोई से बयान किया, मगर लोग उनसे यह नहीं सुनना चाहते कि विकास दर पहले की तुलना में घटेगी और महंगाई का रुख ऊपर की तरफ बना रहेगा। आम जन तो इस समस्या से पार पाना चाहते हैं। इसके उपाय सोचना रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय का काम है। मगर कई मामलों में दोनों के बीच वैचारिक अंतर देखा जाता है। रिजर्व बैंक आर्थिक विकास दर को लेकर अपना कोई अनुमान पेश करता है, तो वित्त मंत्रालय ठीक उसके उलट या विरोधाभासी आंकड़े पेश कर देता है। वित्तमंत्री अभी तक यह मानने को तैयार नहीं हैं कि भारत में मंदी का वातावरण है। उन्हें भरोसा है कि जल्दी ही देश इस संकट से बाहर निकल आएगा। इसी भरोसे के साथ वे अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर पेश करती हैं। विकास दर को बेहतर बनाने और महंगाई को लोगों की सहनशक्ति के स्तर लाने के लिए जरूरी है कि आयात को कम किया और निर्यात को बढ़ाया जाए। मगर स्थिति यह है कि पिछले सालों में लगातार आयात बढ़ और निर्यात घट रहा है। आत्मनिर्भरता का नारा कामयाब नहीं हो पा रहा, जिसका नतीजा है कि विनिर्माण के क्षेत्र में चिंताजनक स्थिति बनी हुई है। इस समय पूरी दुनिया में मंदी की छाया है, इसलिए विश्व बाजार में भारतीय उत्पाद की खपत बढ़ाना बड़ी चुनौती है। आयात पर निर्भरता बढ़ती जाने का नतीजा है कि विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से छीज रहा है। विदेशी कर्ज का बोझ काफी बढ़ा है, जिसका ब्याज चुकाना ही भारी पड़ रहा है। ऐसे में लंबे समय तक कच्चे तेल के आयात को लेकर भी चिंता जताई जाने लगी है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

हंगामे का हासिल

दिल्ली नगर निगम के महापौर के चुनाव से पहले जिस तरह का हंगामा देखने को मिला यह अशोभनीय है। उससे यह सवाल एक बार फिर उठा है कि दिन-रात लोकतंत्र की दुहाई देने वाले जनप्रतिनिधियों और पार्टियों के पास इस विचार के प्रति सचमुच कितना सरोकार है। गौरतलब है कि हाल में दिल्ली नगर निगम के लिए चुने गए पार्षदों के शपथ ग्रहण के दौरान पीठासीन अधिकारी के एक फैसले को लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा के सदस्यों के बीच का विरोध हंगामे में तब्दील हो गया और यहां तक कि धक्का-मुक्की जैसी स्थिति भी देखी गई। संभव है कि किसी मसले को लेकर दोनों पक्षों के बीच असहमति हो, लेकिन क्या उसका हल हंगामे और मारपीट जैसे हालात से निकाला जा सकता है? इतना तय है कि सदस्यों को शपथ दिलाए जाने की प्रक्रिया और प्राथमिकता के जिस मसले पर विवाद शुरू हुआ, उसका समाधान बातचीत और निर्धारित नियमों के मुताबिक कार्यवाही संचालित किए जाने के रूप में आना था। इसके बावजूद हुआ यह कि पहले दोनों पक्षों के बीच हंगामे के साथ नारेबाजी शुरू हो गई और बाद में तनातनी और धक्का-मुक्की के अराजक हालात पैदा हो गए। सवाल है कि देश में लोकतंत्र की परंपरा के बीच यह किस तरह की प्रवृत्ति गहराती जा रही है कि अगर किसी मुद्दे पर अलग-अलग पक्षों के बीच मतभेद हैं तो उसका नतीजा सदन जैसी जगह में भी अराजकता और कई बार हिंसा तक के रूप में सामने आ जाए। दरअसल, नगर निगम की कार्यवाही में दिल्ली के महापौर का चुनाव होना था। लेकिन उससे पहले पीठासीन अधिकारी ने शपथ ग्रहण के लिए मनोनीत सदस्यों को बुलाया। इसी मसले पर आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने विरोध जताया कि मनोनीत पार्षदों को पहले शपथ दिला कर मतदान का अधिकार दिलाने की साजिश की जा रही है। सवाल है कि अगर पीठासीन अधिकारी की ओर से कार्यवाही किसी गलत प्रक्रिया से संचालित की गई, तो उसका क्या आधार था! फिर क्या उससे असहमति या उसे बदलने का रास्ता हंगामा ही था? विचित्र यह है कि आम आदमी पार्टी और भाजपा एक दूसरे पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाते रहे, लेकिन किसी पक्ष में इस बात की फिक्र नहीं दिखती कि जो हंगामे की स्थिति आई, उससे किसका भला होगा। यह समझना मुश्किल है कि जनता की नुमाइंदगी करने का दावा लेकर चुने गए लोगों को इस बात का खयाल रखना जरूरी नहीं लगता कि उन्हें संवैधानिक दायरे में अपनी भूमिका का निर्वाह इस तरह करना है, जिससे लोकतंत्र की जमीन मजबूत हो। लेकिन अक्सर ऐसी घटनाएं देखी गई हैं कि सदन में किसी मसले पर असहमति या मतभेद होने पर संबंधित मुद्दे पर बहस या विचार के बजाय कुछ सदस्य हंगामा शुरू कर देते हैं। यहां तक कई बार कुछ राज्यों के सदनों में हिंसक हालात भी पैदा हुए। सवाल है कि नियम-कायदों पर अमल की मांग के साथ जो सदस्य शोर और हंगामे से आगे बढ़ कर अराजकता और हिंसा तक का रास्ता अख्तियार कर लेते हैं, क्या वे कभी ऐसा सोचते हैं कि सदन में अपने प्रतिनिधियों के ऐसे बर्ताव का आम जनता के बीच क्या संदेश जाता है? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि देश में संविधान के तहत कायम लोकतंत्र में हर व्यवस्था के लिए एक प्रक्रिया का निर्धारण किया गया है और उसे उसी तरह से चलना चाहिए।

श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ आज से

501 महिलाओं की कलशयात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

गिर्राज संघ परिवार जयपुर के 25 वें वार्षिकोत्सव पर 131 विशाल श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ का शुभारंभ गुरूवार को दोपहर 12.30 बजे विद्याधर नगर सेक्टर-7 स्थित शिवमंदिर से 501 महिलाओं की कलशयात्रा से होगा। आयोजन की सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। इस मौके पर व्यासपीठ से श्रद्धेय आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण जी महाराज श्रीधाम वृंदावनवाले भक्तों का भक्ति और आस्था की गंगा में डुबकी लगवाएंगे। अध्यक्ष रामरतन अग्रवाल व महासचिव गिरीश अग्रवाल ने बताया कि गुरूवार दोपहर 12.30 बजे 501 महिलाओं की कलशयात्रा विद्याधर नगर सेक्टर-7 स्थित शिवमंदिर से शुरू होगी कलशयात्रा 501 महिलाएं एक ही परिधान में सिर पर मांगलिक कलश लेकर चलेगी। यह कलशयात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई कथा स्थल विद्याधर नगर,सेक्टर-7 स्थित अग्रसेन हॉस्पीटल के पीछे पहुंचेंगी,जहां पर श्रीमद भागवत की 131 विद्वान पूजा सम्पन्न करवाएंगे। उन्होंने बताया कि इस मौके पर गोस्वामी जी श्री गणेश आदि पूजन,श्री मदभागवत कथा व मंगलारण पर प्रवचन करेंगे। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत 13 को नारद व्यास संवाद,पांडव चरित्र व शुकदेव आगमन,14 को कपिल देवहुति संवाद,ध्रुव चरित्र व 15 को प्रहलाद चरित्र व वामन अवतार के बाद नंदोत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत 16 को श्री कृष्ण बाल लीला, माखन चोरी गिरिराज पूजन महोत्सव मनाया जाएगा। कथा प्रसंग में 17 को महारास कथा,मथुरागमन,श्री रूकमणि विवाह प्रसंग के बाद 18 जनवरी को सुदामा चरित्र संवाद, नव योगेश्वर संवाद के बाद फूल होली महोत्सव मनाया जाएगा। कथा 18 जनवरी तक रोजाना दोपहर 2 बजे से साय 6 बजे तक होगी। इससे पूर्व आज समिति के पदाधिकरियों ने खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास,भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया,विधायक नरपत सिंह राजवी व मेयर सौम्या गुर्जर को भागवत में आने का न्यौता दिया।

बचपन प्ले स्कूल के बच्चों ने मनाया थैंक यू डे

गौरव जैन. शाबाश इंडिया

अशोकनगर। बचपन प्ले स्कूल अशोकनगर के बच्चों द्वारा बुधवार को कलेक्ट्रेट का भ्रमण किया गया है। भ्रमण के दौरान बच्चों ने पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ.नेहा जैन तथा अपर कलेक्टर जी.एस.धुर्वे से मुलाकात कर बच्चों ने थैंक्यू डे मनाया। बच्चों द्वारा जिले के वरिष्ठ अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते सेवाभाव की भावना व्यक्त की। इस अवसर पर अधिकारियों द्वारा बच्चो की भावना को सराहा और उन्हें मार्गदर्शन दिया। पुलिस अधीक्षक भदौरिया ने बच्चों से कहा कि आप अच्छे काम करके पुलिस की मदद कर सकते है। सीईओ जिला पंचायत डॉ.नेहा जैन ने कहा कि आप अपने पेरेंट्स को भी थैंक्यू कहा करें। वो आपको सभी कार्यों में मदद करते हैं । अपर कलेक्टर द्वारा बच्चों को पेड़ लगाकर हरियाली बनाये रखने और वातावरण को साफ रखने को कहा। बच्चों ने किया कलेक्ट्रेट का भ्रमण बच्चों ने कलेक्टर कक्ष,अपर कलेक्टर कक्ष एवं पुलिस अधीक्षक कक्ष में पहुंचकर अधिकारियों को थैंक्यू कहा।

कुण्डली और जिन्दगी में गुरू का स्थान ही महत्वपूर्ण होता है : आचार्य सुनीलसागर महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में परम पूज्य आचार्य श्री 108 सुनिलसागरजी महाराज ने अपने मंगलमय प्रवचनों में कहा कि क्या पता था जिन्दगी में ऐसे दिन भी आयेंगें, कि वीतरागी गुरू हमारी जिन्दगी की राशि हो जायेगें। कुण्डली और जिन्दगी में गुरू का स्थान ही देखा जाता है, कि गुरू जितना मजबूत होगा दूसरे ग्रह उसका कुछ भी नही बिगाड सकते। इसलिये हमें अपने गुरू का सम्मान करना चाहिये। उनके स्थान को सुदृढ बनाना चाहिये। आचार्यश्री ने आगे कहा कि साधारण मनुष्यों के जन्म मरण से वह स्थान प्रसिद्धि नही पाता लेकिन महापुरूषों की जन्मस्थली और समाधिस्थल तीर्थ बन जाया करते है, जैसे श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या तीर्थ बन गई है तो तीर्थकरों की निर्वाण स्थली सम्मेद शिखर भी तीर्थ बन गया है। वेदिक भगवान शिव और आदिनाथ भगवान की एकरूपता को प्रतिपादित करते हुये आचार्यश्री ने कहा कि ये सब भव्य आत्माऐं है जो संसार का कल्याण चाहती है। हम उनकी साधना करके उन तक पहुंचना चाहते है। प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ शिव का ही प्रतिरूप है और जिनशासन में प्रतिरूपता की ही पूजा होती है। आदिवासियों के इतिहास को देखते हैं तो ये भी राज्य-धर्म हीन क्षत्रिय है। जैन संत चाहते है कि सारे लोग सम्यक ज्ञान को प्राप्त हो, हर एक जीव का उद्धार हो। इसके लिये वीतरागी मार्ग को समझना आवश्यक है। सृष्टि बदल जाये तो कुछ नही होगा और दृष्टि बदल जाये तो कल्याण हो जायेगा, इसलिये अपनी चैतन्यता को जागृत करिये। अपने आप में डूब जाइये, सुख-सुविधा के पीछे दोडना बन्द कर दिजिये। अपनी देह को नही मन को साध लो सब संवर जायेगा। इससे पूर्व मुनिश्री सुश्रुतसागरजी महाराज ने अपने ओजस्वी प्रवचनों में कहा कि मुनिराज चैतन्य तीर्थ होते है इनकी वन्दना का पुण्य भी आपको भव पार लगा देगा। संत किसी को तुच्छ नही समझते वे तो आदिवासियों को भी आदिनाथ भगवान की सन्तति ही समझते है। यह आप लोगों के पुण्योदय है कि आज सांगानेर वाले बाबा के दरबार में आचार्यश्री का समवशरण अपनी धर्मसाधना करने आया हुआ है और इनके दर्शन-वंदन से आप सब लोग पुण्य लाभ कमा रहें है। ऐसा चर्तुविद्संघ हमें एकता का संदेश भी देता है। पावन जैन तीर्थराज श्री सम्मेदशिखरजी के साथ साथ हमें आत्मतीर्थ की भी सुरक्षा करना चाहिये जो स्वयं के तप-संयम से ही संभव है। इसलिये हमें अपनी दिनचर्या में धर्मसाधना को भी जोडना चाहिये जिससे हमारा तप और संयम प्रबल होगें और हमारा निज कल्याण होगा। मानदमंत्री सुरेश कासलीवाल ने बताया कि प्रबन्ध कारिणी कमेटी के पदाधिकारियों ने जिनवाणी चैनल से पधारी हुई पूरी टीम का तिलक माल्यार्पण कर स्वागत किया। मंच संचालन इन्द्रा बडजात्या ने किया।

कौन सी जड़ी-बूटी खाने के बाद जल्दी भूख नहीं लगती?

चिड़चिड़ा ओषधि खाने से भूख नहीं लगती, इसे अपामार्ग भी कहते हैं। अपामार्ग 16 दिव्य बूटी में से एक है। अपामार्ग के 65 चमत्कारी फायदे जानकर आप हैरान हो जाएंगे।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

अथर्ववेद के ७० वे सूक्त के चतुर्थ कांड में अपामार्ग यानि चिड़चिड़ा की देवताओं ने इस प्रकार स्तुति की है-

क्षुधामारं, तृषामारं, मगोतामनपत्यताम।
अपामार्ग त्वया वयं, सर्वतेदेपमृज्महे।।
तृषमारं, क्षुधामारं, मारमथो अक्षिपराजयम।
अपामार्ग त्वया वयं, सर्वतेदेपमृज्महे।।
!!अथर्ववेद!!

अर्थात हे ! अपामार्ग तुम हमारे अत्यंत भूख लगने के रोग को, बार-बार प्यास लगने के विकार को, इन्द्रिय शक्ति की कमजोरियों को एवं संतान न होने के रोग को दूर करो। हे अपामार्ग! तुम हमारी तृषा यानि प्यास और भूख को नष्ट कर तथा कामशक्ति की हीनता और आंखों की बीमारियों को दूर करो। अथर्ववेद के अनुसार अपामार्ग क्षुधा मार और तृषा मार अर्थात भूख और प्यास को मिटाती है। हिमालय क्षेत्र के साधु और योगी इसके बीज खाकर कई दिन तक बिना अन्न जल के रहकर अनेक सिद्धियां पाते हैं। अघोरी, साधु जन अपामार्ग के चावल की खीर बनाकर खाते हैं, तो वे 7 से 8 दिन तक बिना खाए शिव भक्ति में तल्लीन रहते हैं। अपामार्ग-एक दिव्य ओषधि बहुत आसानी से खेतों में, जंगलों में सड़क के किनारे मिलने वाला अपामार्ग, लटजीरा, चिड़चिड़ा, ओंगा, अधेढो, आपांग, अध्धा झारा, आंधी झाड़ों, मर्जिका, उत्तरेनी, अतकुमह, **Achyranthus Sapera** एचिरेन्थस एस्पेरा आदि नामों से भारत में जाना जाता है। यह गरीबी मिटाने वाली चमत्कारी बूटी है। अपामार्ग बवासीर, पाइल्स की सर्वोत्तम ओषधि है। तन्त्र में इसका बहुत उपयोग होता है, छोटी दीपावली की सुबह पूरे शरीर में ओषधि तेल लगाने के बाद स्नान से पहले अपामार्ग को सात बार अपने ऊपर घुमाकर फेंक देते हैं। इससे करा, धरा, जादू, टोने, टोटके का दुष्प्रभाव दूर हो जाता है और गरीबी दूर होने लगती है। अपामार्ग की सबसे खास विशेषता यह है कि कैसा भी सिरदर्द हो और किसी भी तरह की एलोपैथिक दवा से दूर नहीं हो रहा हो, तब ऐसी स्थिति में अपामार्ग के पत्तों का रस की 2 बूंद कान में डालने से तुरन्त दूर होता है। अपां= दोषान् मार्जयति = संशोधयति इति अपामार्गः अर्थात–जो दोषों का संशोधन करे, उसे अपामार्ग कहा जाता है। हिंदी में इसे उलटकंडा या चिरचिटा कहते हैं इसके बीज और मूल को छाया में सुखाकर प्रयोग में लाते हैं पाचनो रोचनश्छर्दिकफमेदोनिलापहः! निहन्ति हृदुजाध्मान (अशः) कण्डुशूलोदरापची!! अर्थात-अपामार्ग दस्तावर, तीक्ष्ण, अग्निप्रदीपक, कड़वा, चरपरा, पाचक, रुचिकारक और वमन यानि उल्टी, कफ, मेद (चर्बी), वातरोग, हृदयघात, अफारा, बवासीर, खुजली, शूल अर्थात भयंकर दर्द, उदर रोग तथा अपची को जड़ से नष्ट कर देता है। यह बवासीर ओर पाचनतंत्र ठीक करने वाली अचूक औषधि है।

अपामार्ग के अन्य नामः अपामार्ग को लटजीरा, चिरचिरा, चिड़चिड़ा, चिचोड़ा, चिंचरी, ओंगा, अघोड़ा, बिच्छू बूटी आदि नामों से भी जाना जाता है। एक रक्त अपमार्ग भी होता है यह उतना लाभकारी नहीं होता, जितना श्वेत होता है। यह गरीबी मिटाने वाली भी चमत्कारी बूटी है। बिच्छू विषनाशक अपामार्ग 40 से अधिक तकलीफों को दूर करती है।

अपामार्ग की विशेषताः अपामार्ग के बीज चावल जैसे लेकिन बहुत छोटे होते हैं। अघोरी बताते हैं कि इसकी खीर बनाकर खाने से 8 दिन तक भूख-प्यास नहीं लगती। आयुर्वेदिक राजनिघंटु शास्त्र के मतानुसार-अपामार्ग कडुआ, गर्म, चरपरा, कफनाशक तथा उदररोग, आवं (अमोवाईसिस) और रूधिर विकार यानि रक्त के दोषों को दूर करने में चमत्कारी है। **भावप्रकाश ग्रन्थ के मुताबिकः** अपामार्ग दस्तावर होता है। वेद्याचार्य श्री भाव मिश्र जी ने इसे पाचक, रुचिकारक बताया है तथा कफ रोग, मोटापा, मेदरोग, चर्बी बढ़ना, वात रोग, हृदय के विकार नाशक बवासीर और पाचनतंत्र की हीनता आदि में उपयोगी बताया है। अपामार्ग के चमत्कारी फायदे-वैद्य श्री शोढ़ल ने लिखा है कि अपामार्ग शिथिल शरीर में ऊर्जा उत्पन्न करता है। अग्निदायक होता है। अपामार्ग की नस लेने यानि सूंघने से सिर के कीड़े नष्ट हो जाते हैं। अपामार्ग रक्त-विकार नाशक सर्वश्रेष्ठ ओषधि है। यूनानी मत के मुताबिक-अपामार्ग कामशक्ति वृद्धि कारक और वीर्यवर्द्धक है। स्थाई पुरुषार्थ शक्ति बढ़ाने के लिए बी फेराल गोल्ड माल्ट का सेवन लाभप्रद रहता है। इसे तीन माह तक निरन्तर लेना चाहिए। अपामार्ग हर्षोत्पादक अर्थात प्रसन्नता प्रदान कर अवसाद दूर करती है। नाग-विच्छू भागे दूर-आयुर्वेद के वैज्ञानिक कर्नल चोपरा का अनुभव है कि अपामार्ग फूल के डंठल और पौधे के बीजों का चूर्ण नाग-सर्प, विच्छू एवं अन्य जहरीले जीवों के डंक पर लगाने से सूजन व दर्द तुरन्त दूर होता है। गुर्दे यानि किडनी की बेहतरीन दवा- अपामार्ग का काढ़ा तथा केले के छिलके का गूदा दोनों मिलाकर दिन में 3 से 4 बार लेने से गुर्दे की बीमारियों में लाभ होता है। अपामार्ग के सेवन से बार-बार डायलिसिस कराने की झंझट से राहत मिलती है। सारे शरीर में सूजन आ जाने पर अपामार्ग का काढ़ा यदि लिया जाए, तो विशेष उपयोगी रहता है। इंडियन मटेरिया मेडिका के लेखक डॉक्टर नॉडकर्णी के अनुसार अपामार्ग का काढ़ा मूत्रल होता है। मधुमेह यानि डायबिटीज के रोगियों के लिए यह अत्यंत हितकारी होता है। पेट दर्द तथा आंतो के विकारों में चिड़चिड़ा के पत्तों का रस बहुत लाभकारी होता है। अपामार्ग का काढ़ा प्रतिदिन 100 से 200 टछ 5 दिन तक पिलाने से गर्भवती महिलाओं को गर्भपात हो सकता है। जिन महिलाओं को मासिक धर्म खुलकर या समय पर नहीं होता, उन्हें तीन माह तक नियमित अपामार्ग का काढ़ा अथवा अमृतम फार्मा द्वारा निर्मित नारी सौन्दर्य माल्ट लेना बहुत फायदेमंद रहता है। विशेष- नारी की 50 तरह की बीमारी दूर करने में नारी सौन्दर्य माल्ट बहुत विलक्षण आयुर्वेदिक औषधि है। यह सुन्दरता वृद्धि में भी सहायक है। डेंगू फीवर में उपयोगी-वैद्य मंगल सिंह का आत्मानुभव है कि अपामार्ग के ताजे पत्तो के साथ कालीमिर्च, लहसुन और गुड़ समभाग को पीसकर छोटे बेर बराबर गोलियां बनाकर दिन में 3 से 4 बार खाने से बार-बार आने वाले ज्वर या बुखार से राहत मिलती है। Flukey माल्ट 11 तरह के ज्वर, बुखार जैसे डेंगू फीवर, दिमागी बुखार, चिकनगुनिया, स्वाइन फ्लू, बार-बार सर्दी-जुकाम होना आदि संक्रमण बीमारियों से स्थाई मुक्ति पाने के लिए फ्लूकी माल्ट एक माह तक नियमित लेना हितकारी रहता है। अपामार्ग दिमाग में भरे आग वैद्य श्री चन्द्रराज के अनुसार अपामार्ग के बीजों को दूध में पकाकर खीर खाई जावे, तो दिमाग बहुत तेज यानि शार्प माइंड होता है। यह मस्तिष्क को तेज-तर्रार और ऊजार्वान बना देता है या फिर, ब्रेन की गोल्ड माल्ट ले सकते हैं। अत्यंत लाभकारी पथरी तोड़ दिव्य ओषधि डॉक्टर देसाई के अनुसार अपामार्ग का काढ़ा रोजाना सुबह खाली पेट पीने से मूत्र की अम्लता दूर होकर 10 से 15 दिनों में पथरी गल जाती है। खून बढ़ाने वाली ओषधि खून बढ़ाने में अपामार्ग का कोई सानी नहीं है। शरीर के अंदर इसकी क्रिया बहुत तेजी से होती है। अमाशय की शिथिलता में बेहद उपयोगी है। अमाशय के रोग मुलेठी के साथ खाने से मिट जाते हैं। भोजन से पहले अपामार्ग का रस या काढ़ा लेने से पाचक रस की बढोत्तरी होती है। यकृत यानि लिवर की सूजन कम करने में सहायक ओषधि है। अपामार्ग काढ़े का नियमित सेवन पेट में अन्न को सड़ने नहीं देता। अपामार्ग के पत्तो का रस रक्त कणों और पोषक तत्वों को बढ़ाता है। अपामार्ग सेवन के बाद जो भी मल-मूत्र जिन-जिन स्थानों से बाहर निकलता है, उन-उन मार्गों की जीवन-विनिमय क्रिया को सुधरता जाता है और तमाम शरीर की क्रियाओं को यह उत्तेजना देता है। अपामार्ग के लगातार सेवन से शरीर या पेट की अम्लता कम होकर पेशाब ज्यादा आती है।

-निरंतर

जेएसजी महानगर द्वारा पतंग उत्सव का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप महानगर का पतंग उत्सव कार्यक्रम, जयपुर शहर के बीचों बीच बिचुन हाउस, किशनपोल बाजार में सम्पन्न हुआ। वर्ष 2023 के इस प्रथम कार्यक्रम में लगभग 150 से अधिक परिवारों ने सभागीता निभाई। ग्रुप सदस्यो को पतंग निशुल्क उपलब्ध कराई गई। सदस्यो ने पतंगे उड़ाकर कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। सदस्यो के मनोरंजन के लिए पतंग सजाओ प्रतियोगिता, जुझा लड़ाओ, एक दूसरे के सर पर

टोपी, माला पहनाओ प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। सभी सदस्यों को पुष्पेंद्र - यामिनी जैन द्वारा बर्ड फीडर दानों के साथ भेंट किया गया। महानगर ग्रुप के सदस्यो को भी आकर्षक उपहार दिया गया जिन्होंने वर्ष 2023-24 की फीस जमा करवा दी थी। कार्यक्रम के अंत में लोहड़ी का आयोजन किया गया जिसमें बच्चे, बड़े सभी ने डी जे धमाल के साथ डान्स कर पूरी मस्ती के साथ आनन्द लिया। इस कार्यक्रम की सफलता के लिए संजय छाबड़ा अध्यक्ष एवं अनुज जैन सचिव ने सभी संयोजकगणों को बहुत-बहुत बधाइयां एवं आभार प्रकट किया गया। यह सदस्यों का विश्वास ही है कि महानगर ग्रुप मूवमेंट मे अपनी अलग पहचान रखता है। **इस कार्यक्रम के संयोजक:** सुशील- सरिता कासलीवाल, संजय- साधना काला, अजय - मोना जैन एवं प्रशांत- रीना पांड्या थे। कार्यक्रम के दौरान सुरेंद्र पाटनी कोषाध्यक्ष का विशेष रूप से आभार प्रकट किया गया जिन्होंने सुबह से लेकर रात तक सदस्यों का सदस्यता शुल्क जमा किया। इस कार्यक्रम में ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन, पूर्व अध्यक्ष सी एस जैन, रवि प्रकाश जैन, विरेंद्र जैन, राजीव जैन, दीपेश छाबड़ा सहित सभी ग्रुप के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महावीर पब्लिक स्कूल के छात्रों ने सीए परीक्षा में प्राप्त किया उत्कृष्ट स्थान

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर पब्लिक स्कूल के सक्षम जैन एवं जतिन सेठी (2020-21 बैच) ने सी.ए. इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है। सक्षम जैन ने ऑल इंडिया रैंक में तीसरा और जतिन सेठी ने 34वां स्थान प्राप्त करके अपने माता-पिता व विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल संघी, मानद् मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, विद्यालय संयोजक सुदीप ठोलिया, कार्यकारिणी सदस्यों एवं प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने इन दोनों छात्रों की उपलब्धियों के लिए उन्हें हार्दिक बधाई दी है और जीवन में और अधिक प्रगति की कामना की है।

रक्तदान जीवनदान टीम बूंदी के रक्तवीरों ने स्व.मदनलाल जी की पुण्यतिथि पर किया रक्तदान

बूंदी. शाबाश इंडिया

ब्लड डोनर नर्सिंग ऑफिसर रामलक्ष्मण मीणा रक्तदान जीवनदान टीम संयोजक व संस्थापक ने बताया कि मनोज मीणा ग्राम अजेता शिक्षा विभाग में जिला चित्तौड़ में अध्यापक के रूप में कार्यरत है और रक्तदान जीवनदान टीम बूंदी से जुड़ा हुआ है। पिताजी की पुण्यतिथि पर रक्तदान करने का मन में विचार आने पर रामलक्ष्मण मीणा से रक्तदान संबंधित बातचीत की। रामलक्ष्मण मीणा ने चित्तौड़गढ़ जिले में अपने दोस्त देव शर्मा से संपर्क किया और स्वर्गीय मदन लाल जी की 22 वी पुण्यतिथि पर 6 जनों ने रक्तदान किया जिसमें पुत्र मनोज मीणा व मनोज कुमार यादव राजस्थान पुलिस , अभय कुमार मीणा कंपाउंडर, महेंद्र वर्मा अध्यापक, गोविंद मीणा, कुलदीप गुर्जर ने सांवरिया हॉस्पिटल चित्तौड़ में जाकर स्वैच्छिक रक्तदान किया। 2021 में स्व मदन लाल जी की पुण्यतिथि पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें 326 यूनिट रक्तदान हुआ था। पुत्र लोकेश मीणा व मनोज मीणा ने बताया कि पुण्यतिथि के अवसर पर बूंदी और चित्तौड़गढ़ में फल वितरण व गायों को चारा डाला गया।

सेंट विल्फ्रेड पीजी कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर 'बेस्ट रिसर्चर अवार्ड' से सम्मानित हुए

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

जयपुर। मानसरोवर स्थित सेंट विल्फ्रेड पीजी कॉलेज में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर गणेश शंकर को ''बेस्ट रिसर्चर अवार्ड-2023'' से सम्मानित किया गया है। यह अवार्ड रिसर्च फॉउंडेशन ऑफ इंडिया की तरफ देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर (मध्य प्रदेश) में आयोजित संगोष्ठी 'इंटरनेशल कॉन्फ्रेस ऑन इंपैक्ट ऑन एजुकेशन सेक्टर आफ्टर पेंडेमिक' में सम्मानित किया गया। पत्रकारिता में डाटा जर्नलिज्म क्षेत्र में कार्य करने के लिए गणेश शंकर को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार उनके मौलिक शोध कार्य के लिए दिया गया है। वे वर्तमान में लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय भोपाल (मध्य प्रदेश) से पीएचडी कर रहे हैं और उनका शोध अंतिम चरण में है, वे अलग-अलग शोध पत्रों के माध्यम से पत्रकारों और पत्रकारिता के विद्यार्थियों को यह बताया कि भारत में डाटा जर्नलिज्म का भविष्य बहुआमी है, हालांकि उन्होंने अपने शोध कार्य में यह भी दर्शाया है कि वर्तमान में कार्य कर रहे पत्रकार आईसीटी और डाटा पर कार्य करने से बचते हैं जिसकी वजह से वो डाटा स्टोरीटेलिंग, डाटा रिपोर्टिंग करने से अपने आप को दूर रखते हैं। लेकिन कोरोना काल में डाटा जर्नलिज्म करने मे भारतीय पत्रकार ने अपना अहम भूमिका निभाई। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. फरीदा हसनी ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह विभाग के साथ-साथ कॉलेज के लिए गर्व की बात है। हमारे कॉलेज के फैकल्टी अकादमी गतिविधियों के साथ शोध कार्य में अहम स्थान रखते हैं।

शोध भारतीय पत्रकारिता के लिए उपयोगी हो सकता है

सेंट विल्फ्रेड एजुकेशन सोसाइटी के मानद सचिव डॉ. केशव बड़ाया ने पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर गणेश शंकर की उपलब्धियों को बेहद प्रभावी बताया। उन्होंने कहा कि डाटा जर्नलिजम के क्षेत्र में शोध करके उन्होंने संस्थान और राजस्थान राज्य का नाम रौशन किया है। उन्होंने बधाई देते हुए कहा कि यह इनके द्वारा किए गए कार्य पत्रकारिता के विद्यार्थियों और वर्तमान में कार्यरत पत्रकारो के लिए उपयोगी हो सकता है और भारतीय पत्रकारिता में सुधार की दिशा में सहायता कर सकता है।

जनभागिता से ही हर कार्य संभव: तोषनीवाल

उदयपुर. कासं। लायन्स क्लब उदयपुर एलिट के द्वारा सेटेलाइट हॉस्पिटल, हिरण मगरी स.6 मे आयोजित कार्यक्रम में एक फोटो थेरेपी मशीन एवं इलेक्ट्रिक ऑटो सेक्शन मशीन प्रदान की गई । लायंस मार्केटिंग के डिस्ट्रिक चेयरपर्सन लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रान्तपाल लायन दिलीप तोषनीवाल ने अपने उद्बोधन में क्लब द्वारा किए जा रहे जनुपयोगी सेवा कार्यों की भूरी-भूरी प्रसंशा करते हुए सामाजिक कार्यों में और अधिक कार्य करने का आह्वान किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने कहा...

जैन धर्म कहता है कि नमस्कार में चमत्कार है

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। सांसारिक प्राणी मोह माया में फसकर, अपने आप को दुखों से मुक्त होने के लिए चमत्कार को नमस्कार करने लगा है। कहावत भी प्रचलित है ''चमत्कार को नमस्कार'' जबकि जैन धर्म कहता है कि नमस्कार में चमत्कार है। उक्त विचार जैन साध्वी गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने बड़ा जैन मंदिर मुरेना में धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। पूज्य गुरुमां ने कहाकि प्रत्येक शुभ कार्य को प्रारम्भ करने से पूर्व मंगलाचरण किया जाता है। मंगलाचरण क्या है? मंगलाचरण एक तरह से नमस्कार ही है। मंगलाचरण में अपने इष्ट को आव्हान किया जाता है, अपने इष्ट को नमस्कार किया जाता है। आप किसी भी ग्रन्थ, पुराण या शास्त्र में मंगलाचरण देखें, सभी में इष्टदेवों को नमस्कार किया गया है। नमस्कार करने में यदि विशुद्धि है, प्रभु का गुणानुवाद है और आपके भाव सम्पूर्ण समर्पण के हैं तो चमत्कार होता है । सच्चे मन से, पूर्ण समर्पण के साथ जो प्रभु भक्ति करते हैं यानि कि अपने इष्ट को स्मरण करते हुए नमस्कार करते हैं तो ऐसे भक्तों के साथ देवता भी चमत्कार करते हैं। यदि भक्त सच्चे मन से पूर्ण विशुद्धि के साथ प्रभु स्मरण करते हैं, उनकी पूजा आराधना करते हैं, उन्हें नमस्कार करते हैं तो इस नमस्कार में पापों को नाश करने की इतनी शक्ति होती है कि भक्त के ऊपर आने वाली सारी बाधाएं टल जाती हैं, सारे संकट दूर भाग जाते है। प्रभु नाम के जाप में, प्रभु का नमस्कार इतना शक्तिशाली होता है कि वह सभी पापों को क्षय करने की शक्ति रखता है। आज की धर्मसभा का शुभारंभ बा.ब्र.बहिन अनीता दीदी के मंगलाचरण के साथ हुआ। पूज्य गुरुमां गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी के साथ क्षुल्लिका श्री सर्वेंद्रमती माताजी, बा.ब्र.बहिन अनीता दीदी, प्रियंका दीदी, ललिता दीदी मंचासीन थीं।